बंगाल में हुए औद्योगिक विकास का प्रचार जरूरी : सीएम

कोलकाता. राज्य में निवेशकों को आकर्षित करने व अप्रैल में आयोजित होनेवाले बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) की रूपरेखा तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में बुधवार को नवान्न सभाघर में इंडस्ट्रीयल मीट का आयोजन किया गया. इस बैठक के दौरान राज्य के उद्योगपतियों ने भी बंगाल में औद्योगिक विकास के लिए कई सुझाव दिये.

इस मौके पर आरपी-संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पिछले एक दशक में काफी औद्योगिक विकास हुआ है, लेकिन देश के अन्य क्षेत्रों के उद्योगपतियों को यहां हुए विकास के बारे में जानकारी ही नहीं है. इसलिए देश के अन्य राज्यों में यहां हुए औद्योगिक विकास के बारे में जानकारी पहुंचाना काफी जरूरी है. इससे उद्योगपति यहां निवेश करने के प्रति उत्साहित होंगे. उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग की स्थापना के लिए आवश्यक प्रक्रिया को और त्वरित व पारदर्शी तरीके से संपन्न करना होगा, जिससे निवेशकों का विश्वास राज्य सरकार पर बढ़ेगा. राज्य सरकार को प्रत्येक निवेशक को यह विश्वास दिलाना होगा कि सरकार उनकी निवेश का सम्मान करती है और उनके निवेश की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.

अंबुजा नेवटिया समूह के चेयरमैन हर्ष नेवटिया ने कहा कि राज्य सरकार को विश्व बांग्ला ब्रांड के तर्ज पर ही कोलकाता शहर को लेकर भी एक छत्र के नीचे एक ऐसा ब्रांड तैयार करना होगा, ताकि इससे माध्यम से कोलकाता शहर की खूबियों को देश के अन्य शहरों में प्रदर्शित किया जा सके. इससे यहां के पर्यटन उद्योग को काफी फायदा होगा और कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी कोलकाता में आयोजित होंगे. उन्होंने मुख्यमंत्री से यहां वर्ल्ड फूड फेस्टिवल, इंटरनेशनल म्यूजिक फेस्टिवल व शॉपिंग फेस्टिवल आयोजित करने का आवेदन किया.

नवान्न में इंडस्ट्रीयल मीट

- उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दी सलाह
- मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों के प्रस्ताव का किया स्वागत
- कहा : देश के प्रमुख शहरों में प्रोमोशनल कार्यक्रम का होगा आयोजन

आइटीसी लिमिटेड के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने मुख्यमंत्री से यहां कृषि क्षेत्र व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास पर विशेष जोर देने का आवेदन किया. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को यहां खाद्य प्रसंस्करण व बागवानी क्षेत्र के विकास के लिए कदम उठाने होंगे. अगर ऐसा होता है कि यहां के उत्पादों का दुनियाभर में निर्यात होगा और इससे यहां रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे.

इस मौके पर अडाणी पोर्ट व एसईजेड लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी करण अडाणी ने कहा कि पश्चिम बंगाल पूर्वी भारत व उत्तर पूर्वी राज्यों का गेटवे है और यहां बंदरगाह व लॉजिस्टिक सेक्टर के विकास की अपार संभावनाएं हैं. यहां पर नये पोर्ट के साथ ही मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब, वेयरहाउस का निर्माण होना चाहिए, इससे यहां आयात-निर्यात का कारोबार काफी विकसित करेगा.

उद्योगपतियों ने किया स्वागत

राज्य में मिनरल रिसोर्सेज बहुत है. इन माइंस को ऑक्शन कर दें और जो खरीदें, उसके लिए राज्य सरकार क्लीयरेंस दे दे, तो माइंस उद्योग पनप सकता है. इससे रोजगार की संभावना भी बनेगी. अगर सरकार पॉलिसी बना कर इस पर काम करे, तो नये उद्योग विकसित हो सकते हैं.

रमेश कुमार सरावगी, अध्यक्ष, भारत चेंबर ऑफ कॉमर्स

हमारे राज्य में हस्तशिल्प के उत्पाद बहुत चलते हैं. अगर बंगाल के हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाये या इसे टूरिज्म के साथ जोड़ा जाये, तो हस्तशिल्प उद्योग को एक बहुत बड़ा एक्सपोजर मिल सकता है. हस्तशिल्प को ऑर्गेनाइज रूप से आगे ले जाने की जरूरत है.

शैलजा मेहता, अध्यक्ष, कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स

लोकल उद्योग को सपोर्ट करने की पहल स्वागतयोग्य है. इससे समाज के निम्न व मध्यमवर्गीय लोगों के लिए रोजगार की संभावना बढ़ेगी. इसमें लोकल उद्योग के प्रमोशन के लिए बनायी गयी पॉलिसी पर समय पर काम होना चाहिए.

रिषभ कोठारी, अध्यक्ष, मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स

देवचा पचामी कोयला ब्लॉक और ताजपुर पोर्ट 'गेम चेंजर्स' की भूमिका निभायेंगे और इससे राज्य की तरक्की होगी. पश्चिम बंगाल समूचे पूर्व और उत्तर पूर्व का एक्सपोर्ट हब बन सकता है और हमने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में नये उत्पादों को समाहित करते हुए निर्यात को दुगना करने का लक्ष्य रखा है.

संजय बुधिया, पैटन ग्रुप के प्रबंध निदेशक तथा बीजीबीएस के इंटरनेशनल ट्रेड कमेटी के को-चेयरमैन